www.prtcollege.com

पं.रामगोपाल तिवारी

पीआरटी

ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन

- आल इण्डिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (AICTE) दिल्ली से मान्यता प्राप्त
- इण्डियन नर्सिंग कांउसिल दिल्ली से मान्यता प्राप्त
- अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध
- बार काउंसिल ऑफ इण्डिया (BCI) नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त
- म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल से मान्यता प्राप्त
- म.प्र. शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल से मान्यता प्राप्त
- म.प्र. नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त
- म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त
- म.प्र. आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से सम्बद्ध

Prospectus

तुलसी कॉलेज के पास, जैतहरी रोड, अनूपपुर (म.प्र.)

8839276776, 9893870046, 9713503839

devendratiwari.prt@gmail.com

पीआरटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटयूशन्स

!! विकास यात्रा !!

2024	BCA Approved by AICTE
2023	LL.B. Approved by BCI
2022	Legal Education LL.B. Permission Granted by MP Higher Education Bhopal.
2021	Nursing Courses B.Sc & GNM recognised by INC Delhi
2020	Nursing Courses B.Sc & GNM Started From MPNRC
2019	Paramedical Courses Started From MP Paramedical Council Bhopal
2018	BA,BA (Computer), BSc(Bio) Started in Regular Mode From APSU Rewa
2017	All the UG & PG Distance Courses Started From APSU Rewa
2016	PRT Foundation Public School Started
2015	MSW,PGDCA Courses Started from APSU Rewa
2014	New College Building Completed In Barry Anuppur
2013	PRT College Shahdol Started Aff With APSU Rewa
2012	PRT Institute Chandia Started Aff With MCU Bhopal
2011	M.Sc(CS) M.Sc(IT) M.Sc(CS)-LE Started
2010	Recognised By SCVT FOR ITI , Trade- COPA
2009	Affiliated with APS University REWA
2008	ISO : 9001-2000 Certified
2007	Institute Run in Own Building
2006	New Course BCA(Maths,IT,Management) Started
2005	Affiliated with MCU Bhopal (MP)
2004	Affiliated with UTS University Raipur (CG)

विकास यात्रा

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

प्रिय विद्यार्थियों,

डॉ. देवेन्द्र कुमार तिवारी

विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी पी.आर.टी. (पं.रामगोपाल तिवारी) ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स का पाठ्यक्रम मार्गदर्शिका आपके हाथों में है। शहडोल संभाग में शिक्षा को गुणोत्तर आयाम प्रदान करनें के उद्देश्य से स्थापित पी.आर.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स आप सभी लोगों द्वारा व्यक्त विश्वास, सहयोग व स्नेंह से अपनें 20 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

पी.आर.टी. ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन्स अनूपपुर के 20 वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर विद्यार्थियों एवं अभिवावकों से यह कहतें हुये बेहद प्रसन्नता हो रही है कि अब महानगरीय शिक्षा आपके गृह नगर में ही उपलब्ध है। महाविद्यालय मध्यमवर्गीय व निम्नवर्गीय छात्रों को भी शिक्षा प्रदान करनें में सतत प्रयासरत है।

पी.आर.टी. महाविद्यालय परिवार द्वारा समय के मांग के अनुसार विभिन्न महानगरीय व्यवसायिक पाठ्यक्रम उत्कृष्ठ शैक्षणिक वातावरण के साथ आपके लियें लाता रहा है, जिन्हें सफलता पूर्वक पूर्ण कर आप शासकीय व निजी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त कर सकतें है। हमारा महाविद्यालय परिवार, शिक्षा जगत में नर्सिंग, पैरामेडिकल, कला, कम्प्यूटर, वाणिज्य, प्रबंध, समाज कल्याण कार्य एवं कानून क्षेत्र में उत्कृष्ठ शिक्षा प्रदान करनें के लिये वचनबद्ध है। जन जन तक उच्च रोजगारोंन्मुखी शिक्षा उपलब्ध करानें वाले इस पी.आर.टी. ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन्स की संस्थाओं से उमरिया, शहडोल व अनूपपुर जिले व निकटवर्ती राज्य के विद्यार्थी लाभांन्वित हो रहें है।

उच्च स्तरीय शैक्षणिक सुविधाओं से संकल्पित महाविद्यालय का दूसरा भवन नए आरटीओ ऑफिस के पीछे बर्री अनूपपुर में स्थित है। प्राकृतिक सौदंर्य व हरीतिमाओं के बीच, नगर के भीड़-भाड़ व कोलाहल से मुक्त, उच्च स्तरीय अनुशासित, शैक्षणिक वातावरण, वेल इक्विप्ड लैब, वृहद् पुस्तकालय, वाचनालय, सुसज्जित कक्षाएं, कान्फ्रेन्स हांल, खेल का मैदान आदि छात्र विकास के समस्त अवयवों को समाहित कियें हुयें हैं।

पी.आर.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स परिवार अपनी पूरी उर्जा, निष्ठा से छात्रहित में कार्यरत् है। विद्या के इस मंदिर में विद्यार्थियों का भविष्य दक्ष हाथों से गढ़ा जाता है। संस्थान द्वारा दी जानें वाली डिग्री व डिप्लोमा पूर्णत: वैधानिक है। जिनसें विद्यार्थी सम्पूर्ण भारत व विदेशों में भी शासकीय व प्राईवेट नौकरी प्राप्त कर सकता है।

आगामी भावी योजनाओं को साकार रूप देनें के लियें अपने पी.आर.टी. परिवार के साथ आशान्वित हूँ। विगत 20-वर्षो से अनूपपुर नगर में पं.रामगोपाल तिवारी इंस्टीट्यूट के रूप में संचालित की गई विचार की नर्सरी आज वटवृक्ष का रूप धारण करने के लियें प्रयासरत् है। आसाधारण उद्देश्यों वाली शिक्षा की इस निर्वाध शैली की एक कड़ी आप भी बनकर प्रकाश पुन्ज की तरह दैदीव्यमान् हों और दूसरों को प्रकाशित करें। पीआरटी ग्रुप के संस्थानों में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा की उकृष्ठ कड़ी बनें। आसमान में जगमग अनगिनत तारों में से एक ध्रुवतारा बनें।

आपके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं, आशाओं और आशीष के साथ....

क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत्।
क्षणे नष्टे कुतो विद्या कणे नष्टे कुतो धनम्।।

डॉ. देवेन्द्र कुमार तिवारी

M.Sc. (MATHS), Ph.D.(MATHS)
MCA, M.Phil (CS),MBA (HR)

निदेशक

पी.आर.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस

उद्देश्य (Objective) -

हमारा उद्देश्य उच्च स्तरीय कला, वाणिज्य, कम्प्यूटर, प्रबंधन, विधि (कानून), नर्सिंग एवं पैरामेडिकल की शिक्षा प्रदान करना है ताकि संस्थान से शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त विद्यार्थी, अस्पताल व समुदाय के विभिन्न क्षेत्रों में जा करके अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे सकें और पीड़ित मानवता के लिए सराहनीय कार्य कर सकें। इसके अलावा समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने हेतु व्यवसायिक एवं उद्यमी समाज के परिदृश्य के अनुरूप आवश्यक सभी क्षेत्रों में युवा पीढ़ी में कौशल एवं दक्षताओं का उन्नयन करना। युवा पीढ़ी में आत्मविश्वास का संचार, व्यक्तित्व विकास, अनुसंधानात्मक प्रवृत्तियों, समानता की भावना तथा राष्ट्रप्रेम की भावना प्रस्फुटित करते हुए एक समरस वातावरण प्रदान करना।

विजन (Vision) -

समाज के प्रति समर्पण,भक्ति, करुणा और दया के साथ काम करने वाले इंसान तैयार करना। जीवन में उत्कृष्टता विकसित करना जो गुणवत्तापूर्ण हो जिससे सामाजिक जीवन और आर्थिक जीवन सुद्रढ़ हो सके। शैक्षणिक कार्यक्रम प्रयोग पर आधारित हो और सतत् सुधार के लिए नवाचारों को प्रोत्साहित करे। इस संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी, पर्याप्त वैज्ञानिक ज्ञान के साथ समाज के प्रतीक के रूप में कार्य करें तथा देश और विदेश में नए मानक तय करे।

मिशन (Mission) -

महाविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों में प्रैक्टिस की सभी मूलभूत विधाओं के विकास के लिए छात्रों को सुलभ और उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना है। महाविद्यालय परिवार का मिशन है कि –

- अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग तथा आसपास वैश्विक समुदायों के लिए एक संसाधन के रूप में कार्य करना।
- अनुसंधान जो वैज्ञानिक और सैद्धांतिक नींव को आगे बढ़ाए।

मान्यता (Recognition) -

महाविद्यालय को नर्सिंग पाठ्यक्रम बीएससी नर्सिंग एवं जीएनएम की मान्यता मध्य प्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, मध्य प्रदेश नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल एवं इंडियन नर्सिंग काउंसिल दिल्ली से मान्यता प्राप्त है वही पैरामेडिकल पाठ्यक्रम डीएमएलटी, डीएमएलटी एवं पंचकर्म की मान्यता मध्य प्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल एवं मध्य प्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग बार काउंसिल आप इण्डिया दिल्ली से मान्यता हासिल कर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध प्राप्त है वही मेडिकल पाठ्यक्रम के लिए मध्यप्रदेश अयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से महाविद्यालय को सम्बद्धता प्राप्त है। कम्प्यूटर के सभी पाठ्यक्रम माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय प. एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा **BCA** पाठ्यक्रम **AICTE** से **Approved** है।

LLB - (Bachelor of Legislative Law)

BCI Approved

योग्यता – स्नातक | (अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध) | अवधि – 3 वर्ष

कैरियर के अवसर (कानून परीक्षा) –

एलएलबी की डिग्री होने का मतलब है कानूनी क्षेत्र में करियर के अवसरों का एक खुला पोर्टल होना। कानून की डिग्री के साथ आगे बढ़ने के कई विकल्प हैं। आप वकील बनने का विकल्प चुन सकते हैं। कानूनी सलाहकार, कानूनी सलाहकार, कानूनी विश्लेषक, आदि। इसके अलावा, यह कॉर्पोरेट कानून, मानवाधिकार, सामाजिक सलाह और सामाजिक अधिकारों जैसे उन्नत करियर के लिए एक मजबूत आधार है।

कमाई की संभावना में वृद्धि –

एलएलबी की डिग्री के साथ , अधिक कमाई की संभावना बढ़ जाती है। एलएलबी की डिग्री वाले वकील वेतन के मामले में अच्छा पैकेज पा सकते हैं, खासकर अगर वे किसी बड़ी लॉ फर्म या कंसल्टेंसी एजेंसी से जुड़े हों। इसके अलावा, लॉ ग्रेजुएट हमेशा अपने मुवक्किलों के लिए कानूनी सलाहकार बन सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक कमाई होती है।

व्यावसायिक संवर्द्धन –

एक नए और विशेषज्ञ वकील के बीच का अंतर उनके बीच के वर्षों के अनुभव का है। एलएलबी की डिग्री आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है, खासकर अगर आप किसी बड़ी लॉ फर्म से जुड़े हैं। इसके अलावा, किसी बड़ी कॉर्पोरेट या अन्य क्लाइंट का प्रतिनिधित्व करने के बाद कई अवसर मिलते हैं।

लचीला कार्य समय (कानून परीक्षा) –

एक वकील के तौर पर, आपके पास हमेशा समय रहता है। एलएलबी डिग्री से जुड़े सभी करियर विकल्प लचीले समय के साथ आते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप एक कानूनी सलाहकार हैं, तो आपको केवल तभी निर्धारित बैठकों में उपस्थित होना होगा जब ज़रूरत हो। इसके अलावा, कानूनी विश्लेषक और मानवाधिकार अधिकारी जैसे अन्य व्यवसायों की अपेक्षा केवल ज़रूरत के समय ही की जाती है।

आलोचनात्मक सोच और तर्क क्षमता में उन्नति समय के साथ अनुभव आता है। और कानूनी नौकरी में अनुभव से ज़्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। समय और मामलों के साथ, आपकी आलोचनात्मक और तर्क क्षमताएँ उन्नत होती हैं। इसके अलावा, समय के साथ, आप अपने ग्राहकों को ज़िम्मेदार सलाह और सुझाव देने में ज़्यादा सक्षम हो जाते हैं, जिससे माँग बढ़ती है।

अंतर्राष्ट्रीय अवसर –

एलएलबी की डिग्री व्यापक लॉ फर्मों और अंतरराष्ट्रीय कानून कॉर्पोरेट कार्यालयों में अंतरराष्ट्रीय अवसर भी लाती है। हालाँकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने के लिए, आपके पास कानून के क्षेत्र में प्रासंगिक अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा, आप अपनी एलएलबी की डिग्री पूरी करने के लिए जिस संस्थान को चुनते हैं, उसका भी बहुत महत्व है।

MSW (Master in Social Work)

योग्यता – स्नातक (अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध) अवधि – 2 वर्ष

MSW अर्थात समाज कार्य मे स्नातकोत्तर की उपाधि –

आज समाज मे अत्याधिक जटिलतायें हैं, आज दुनिया मे असहायों की संख्या में वृद्धि हुई है, वैश्वीकरण में गरीब और गरीब होता जा रहा है, इसलिए यहाँ सामाजिक कार्य की भूमिका देखने में आता है। सामाजिक कार्य मे इस तरह के लोगो की समस्याओं को कम करने लिए संसाधनों का उपयोग और विकास कर उनके दर्द और पीड़ा को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा गरीबी, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं शराब की वजह से सामाजिक समस्याओं को रोकने के लिए प्रयास किया जाता है। विकलांग, बृद्ध, अनाथ और गरीब महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है। मूलतः सामाजिक कार्य का उद्देश्य परोपकार है।
गठनों और सरकारी एजेंसियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पष्ठभूमि पर कार्य किया रहा है जहाँ चड्थ विद्यार्थीयों की आवश्यकता होती है।

कैरियर स्कोप – MSW पाठ्यक्रम उपरांत विद्यार्थी को शासकीय एवं प्रायवेट दोनो ही क्षेत्रों के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर मौजूद हैं। शासकीय क्षेत्र मे स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास तथा गैर शासकीय संगठनों में आदिवासी कल्याण आदि क्षेत्रों के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर हैं। MSW पाठ्यक्रम के उपरांत औद्योगिक और कार्पोरेट क्षेत्रों में रोजगार की असीम संभावनांयें है साथ ही मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा और सुधार सेवायें प्रदान करने के लिए बाल कल्यांण एवं परिवार सेवा एजेंसियों मे भी MSW किए हुए विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर हैं। MSW डिग्रीधारक स्वरोजगार हेतु अपने स्वयं के गैर सरकारी संगठन (NGO) की स्थापना भी कर समाज के हित में कई महत्वपूर्ण काये कर अपने कैरियर को आयाम दे सकते हैं। कई गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पष्ठभूमि पर कार्य किया रहा है जहाँ MSW विद्यार्थीयों की आवश्यकता होती है।

BBA (Bachelor of Business Administrator

अवधि – 3 वर्ष (अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध) योग्यता 12वीं

BBA करने के बाद IAS, PSC, SSC आदि में बैठने की पूर्ण पात्रता

BBA अर्थात बैचलर इन बिजनेश एडमिनिस्ट्रेशन, व्यवसायिक क्षेत्र मे प्रशासनिक कार्य के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम। आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग मे व्यवसाय प्रबंधन की भूमिका दिनोदिन बढ़ती जा रही है आज कम्पनी को स्थापित करने से लेकर कम्पनी के कार्यों पर नियंत्रण रखना कम्पनी के कार्य की रुपरेखा तैयार करना व कम्पनी के द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना एक बहुत बड़ी चुनौती हो गई है। बिजनेश एडमिनिस्ट्रेशन की मांग दिनोदिन बढ़ती जा रही है। ताकि बिजनेश को उचाइयों तक पहुंचाया जा सके व हानि से बचाया जा सके। एक अच्छा बिजनेश एडमिनिस्ट्रेटर क्रिएटिव होता है जो नाटकीय ढंग से कम्पनी की तरक्की को बढ़ता है। व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकों के लिए अनेक अवसर है। इइ– की डिग्री बिजनेश एडमिनिस्ट्रेशन के लिए एक उपयुक्त पाठ्यकम है इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के पश्चात विद्यार्थी निर्यात, आयात, मार्केटिंग, वित्त, बैंक, शासकीय एवं निजी आदि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। BBA के पश्चात विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए MBA, MCA, M.A, M.Com, आदि पाठ्यक्रमों में भी रेग्युलर अध्ययन हेतु प्रवेश ले सकता है। इसके अलावा राष्ट्रीय एवं प्रांतीय प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे IAS, IPS, PSC, SSC आदि मे सम्मिलित हो सकता है।

कैरियर स्कोप :–
कार्पोरेट सेक्टर, मार्केटिंग आर्गेनाइजेशन, इण्डस्ट्रियल हाउस, मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, बैंक, एडवर्टाइजिंग, मल्टीनेशनल कार्पोरेशन, इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट ऑर्गेनरइजेशन, पब्लिक सेक्टर में कैरियर के सुनहरे अवसर। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल से मान्यता प्राप्त एवं अवधेश प्रताप सिंह वि.वि. रीवा से सम्बद्ध व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में बहुत ही उपयोगी पाठ्यक्रम है।

BCA (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन)

AICTE Approved

अवधि – 3 वर्ष (माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त) योग्यता – 12वीं

BCA करने के बाद IAS, IPS, PSC, SSC आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की पूर्ण पात्रता –

BCA एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थियों का परंपरागत शिक्षा के क्षेत्र से प्राप्त होने वाली सभी सुविधाओं को मुहैया तो कराता ही है, साथ ही कम्प्यूटर जगत से प्राप्त होने वाली सभी सुविधाओं को भी मुहैया कराता है। परंपरागत शिक्षा जैसे – B.A., B.Sc, B.Com पाठ्यक्रमों के अध्ययन के बाद विद्यार्थी क्लर्क, पटवारी, शिक्षक आदि पदों के प्रतियोगी परीक्षाओं लिए आवेदन कर सकता है। साथ ही प्रतियोगी परीक्षांए जैसे IAS, IPS, PSC, SSC आदि जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं में भी आवेदन कर सकता है। BCA डिग्री प्राप्त विद्यार्थी भी इन पदों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन तो कर ही सकता है, साथ ही कम्प्यूटर जगत के शासकीय एवं निजी क्षेत्र के नौकरियों जैसे कम्प्यूटर ऑपरेटर, प्रोग्रामर, सिस्टम प्रोग्रामर, डेवलपर आदि मे भी आवेदन कर सकता है। इसके अलावा विद्यार्थी अपना खुद का व्यवसाय कम्प्यूटर जॉबवर्क, डीटीपी, कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर आदि को भी चयन कर सकता है। BCA के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा के रुप मे M.Sc.(CS), M.Sc.(IT), MBA, MCA, M.A., M.Com आदि पाठ्यक्रमों का चयन कर सकता है।

कैरियर स्कोप –

अनुसंधान के क्षेत्र, आई.टी. के क्षेत्र, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, सिस्टम एनॉलिस्ट, डाटाबेस मैनेजर, मोबाइल औद्योगिक तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर के सुनहरे। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त यह पाठ्यक्रम कम्प्यूटर क्षेत्र में बहुत ही ज्यादा रोजगार मूलक पाठ्यक्रम है।

M.Sc (CS) (Master of Science in Computer Science)

अवधि– 2 वर्ष (माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त) योग्यता– स्नातक

इस प्रति–स्पर्धात्मक युग में जहां बेरोजगारी की समस्या नवजवानों में व्याप्त हो रही है। वहां स्वरोजगार के चयन में भी पूजी की आवश्यकता हो रही है। इसी स्थिति में स्नातक विद्यार्थियों के लियें यह पाठ्यक्रम पूर्णतः रोजगार मूलक है। सामान्यतः विद्यार्थी व्यक्तिगत, परिवारिक परिशानियों के कारण बाहर जाकर पढ़ाई नहीं कर पातें है। चाह कर भी परंपरागत शिक्षा से हटकर कोई अन्य शिक्षा नहीं ले पातें है। जिससे उनका व्यक्तित्व विकास रूक जाता है। अधिकाशतः यह भी देखा जाता है कि स्नातक (B.A, B.Com, B.Sc, B.H.Sc) आदि पाठ्यक्रम के बाद विद्यार्थी को विषय चयन करनें में बेहद परेशानी होती है। उसे यह समझ में नहीं आता है कि कौन सा पाठ्यकम उसके लिये बेहतर होगा।

स्वरोजगार शासकीय व प्राईवेट नौकरियों के मद्देनजर एम.एस.सी. (सी.एस.) पाठ्यकम एक सर्वोच्च चयन हो सकता है। पी.आर.टी. इंस्टीट्यूट अनूपपुर में उक्त पाठ्क्रम माखनलाल चतुर्वेदी वि.वि. भोपाल से सम्बद्ध है। जिसकी अवधि 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) हैं। इस पाठ्यक्रम को कोई भी स्नातक विद्यार्थी चाहें वह (B.A, B.Com, B.Sc, B.H.Sc) आदि किया हो प्रवेश ले सकता है इसमें कोई भी विषय का बंधन नहीं है।

कैरियर-स्कोप -

शासकीय नौकरीयों में कम्प्यूटर आपरेटर प्रोग्रामर डेटा मैनेजर, सिस्टम मैनेजर, आई-टी आफिसर, केन्द्रीय विद्यालय व नवोदय विद्यालय में पी.जी.टी. (सी.एस.) इत्यादि। निजी क्षेत्र की नौकरियों में सॉफ्टवेयर कंपनियों में प्रोग्रामर, असिस्टेन्ट प्रोग्रामर, S/W इंजीनियर, डाटा एनालिस्ट, ई.डी.पी. मैनेजर, सेंक्शन इंजीनियर इत्यादि की पात्रता होती है। इनके अलावा यदि विद्यार्थी को काई सफलता नहीं मिलती है तो वह स्वरोजगार के रूप में डी.टी.पी., प्रिटिंग प्रेस, एजुकेशनल इंन्टीट्यून्स आदि का व्यवसाय कर सकता है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार वि.वि. भोपाल से मान्यता प्राप्त यह पाठ्यक्रम कम्प्यूटर में स्नातकोत्तर हेतु बहुत रोजगार मूलक है।

DCA (Diploma in Computer Application)

अवधि- 1 वर्ष (माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त) योग्यता- 12वीं

डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (DCA) एक साल का कोर्स है इसमें परीक्षाये सेमेस्टर बेस्ड होते हैं। प्रवेश वर्ष में दो बार होते हैं जुलाई सत्र एवं जनवरी सत्र। इसमें प्रवेश की न्यनतम योग्यता 12 वीं किसी भी संकाय से होना चाहिए।

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी को सम्पूर्ण आफिस जॉब वर्क का प्रशिक्षण, इंटरनेट, डेटाबेस का संधारण एवं प्रोग्रामिंग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

कैरिअर स्कोप : कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर, लैब अटेंडेंट, DTP JOB WORKER इत्यादि।
स्वयं का व्यवसाय : ऑनलाइन सेंटर, कीओस्क बैंकिंग, डीटीपी जॉब वर्क इत्यादि, ई-बिजनेस। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त यह पाठ्यक्रम रोजगार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में नए रोजगार खोलता है।

PGDCA (Post Graduate in Computer Application)

अवधि- 1 वर्ष (माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त) योग्यता- स्नातक

कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पीजीडीसीए या स्नातकोत्तर डिप्लोमा 1 वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। यह कोर्स कालेजों एवं यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक बुनियादी योग्यता मानदंड किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय (या शिक्षा के 10 + 2 + 3 प्रारूप) से स्नातक है। इसमें परीक्षाएं सेमेस्टर पैटर्न में होते हैं और प्रवेश वर्ष में दो बार होंते हैं पहला जुलाई सत्र एवं जनवरी सत्र। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्पूर्ण आफिस वर्क, डेटाबेस, इन्टरनेट एवं प्रोग्रामिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है।

कैरिअर स्कोप : कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर, लैब अटेंडेंट, DTP JOB WORKER इत्यादि। स्वयं का व्यवसाय : ऑनलाइन सेंटर, कीओस्क बैंकिंग, डीटीपी जॉब वर्क इत्यादि, ई-बिजनेस। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त यह पाठ्यक्रम रोजगार एवं नए रोजगार खोलता है।

BA (CA)

अवधि - 3 वर्ष (अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध) योग्यता 12वीं

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल से मान्यता प्राप्त यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में स्नातक के साथ कप्यूटर के विषय भी अध्ययन करने व जानकारी हासिल कर कम्प्यूटर जगत में अपनी कैरियर बनाने में सहायक हैं। इसमें विद्यार्थी आर्ट्स के विषय को Major के रूप लेकर माइनर में कप्यूटर को रखकर या कम्प्यूटर विषय को मेजर के रूप में लेकर, और आर्ट्स के विषय को माइनर में रखकर स्नातक का अध्ययन कर सकता है। अलग से कोई कप्यूटर कोर्स करने की आवश्यकता नहीं होती है, इसमें परीक्षा वर्षिक पद्धति में होती है।

स्वयं का व्यवसाय : ऑनलाइन सेंटर, कीओस्क बैंकिंग, डीटीपी जॉब वर्क इत्यादि, ई-बिजनेस। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से मान्यता प्राप्त यह पाठ्यक्रम रोजगार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में नए रोजगार खोलता है। इसके अलावा आगे की पढ़ाई एम.ए., एमबीए, या अन्य का अध्ययन कर सकता है।

BMLT (Bachelor In Medical Lab Technician)

अवधि- 3 वर्ष (मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से सम्बद्ध) योग्यता- 12वीं बायोलॉजी

बीएमएलटी आधुनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सबसे बड़े और महत्वपूर्ण/गरीब विंगों में से एक है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के साथ, चिकित्सक को कुशल व्यक्तियों/कर्मचारियों की आवश्यकता में तेजी से बढ़ रही बीमारियों के उपचार के लिए चिकित्सा प्रयोगशालाओं की सहायता की आवश्यकता होती है। बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (B.M.L.T) एक 3 साल का अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स है, जिसमें मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (MPMSU) जबलपुर से संबद्ध सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों विषय शामिल हैं।

DMLT (Diploma in Medical Lab Technician)

अवधि- 2 वर्ष (मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से सम्बद्ध) योग्यता- 12वीं बायोलॉजी

डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (डीएमएलटी) पैरामेडिकल साइंस की एक शाखा है जो विभिन्न बीमारियों के निदान और उपचार से संबंधित है। यह मानव तरल पदार्थ जैसे पेरिकार्डियल तरल पदार्थ, पेरिटोनियल तरल पदार्थ, पेरीकार्डियल तरल पदार्थ, मूत्र, रक्त के नमूने और अन्य नमूनों के विश्लेषण का विज्ञान है। डीएमएलटी कोर्स एक प्रवेश स्तर का कार्यक्रम है जिसे विभिन्न रोगों के निरीक्षण, परीक्षण और पहचान का ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह दो साल का कार्यक्रम है जहां छात्रों को बायोकैमिस्ट्री, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक, माइक्रोबायोलॉजी के गहन ज्ञान से अवगत कराया जाता है। इसके अलावा, छात्रों को प्रयोगशाला उपकरण और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। छात्र सीटी स्कैन मशीन, एक्स-रे मशीन, एमआरआई मशीन और बहुत कुछ के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। डीएमएलटी कोर्स आपको किसी बीमारी के निदान के लिए आवश्यक सभी प्रकार के परीक्षण करने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम मुख्य रूप से प्रयोगशाला पेशेवरों के स्थान को भरने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

B.Sc (NURSING)

अवधि- 3 वर्ष (मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से सम्बद्ध) योग्यता- 12वीं बायोलॉजी

बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई करने के कई कारण हैं। नर्सिंग में बीएससी भारत में सबसे लोकप्रिय नर्सिंग पाठ्यक्रमों में से एक है जो उम्मीदवारों को विभिन्न वातावरणों में नर्सिंग का अभ्यास करने के लिए प्रशिक्षित करता है। पाठ्यक्रम भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ नर्सिंग कॉलेजों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। छात्र निम्नलिखित लाभों के लिए कोर्स कर सकते हैं: यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में रोजगार के बहुत सारे अवसर खोलता है। जाँच करें: नर्सिंग पाठ्यक्रम नौकरियां यह भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त 4 साल का कोर्स है जो सरकारी क्षेत्र में नौकरी हासिल करने में मदद करता है। छात्र विभिन्न अस्पतालों में उच्च वेतन वाली नौकरियों को सुरक्षित कर सकते हैं। उम्मीदवार एमएससी नर्सिंग में उच्च अध्ययन भी कर सकते हैं और अपनी रुचियों की विशेषज्ञता भी चुन सकते हैं। यदि छात्र मास्टर डिग्री नहीं करना चाहते हैं तो वे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं।

GNM (General Nursing and Midwifery)

अवधि- 3 वर्ष (मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन कांउसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त) योग्यता- 12वीं

GNM का फुल फॉर्म जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी है। जो छात्र क्लिनिकल नर्सिंग में काम करना चाहते हैं, उनके लिए जीएनएम सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है। जीएनएम का फुल फॉर्म कोर्स गर्भवती महिलाओं और बीमारों से निपटने के लिए सीखने और विशेषज्ञता हासिल करने में मदद करेगा।GNM कोर्स का फुल फॉर्म 3 साल 6 महीने का डिप्लोमा लेवल कोर्स है जिसमें 6 महीने के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप है। एक उम्मीदवार जिसने विज्ञान विषयों (भौतिकी, जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान) के साथ किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 का स्तर पूरा किया हो, वह जीएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकता है।GNM नर्सिंग प्रवेश की प्रक्रिया एक विश्वविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय में भिन्न हो सकती है। हालांकि, जीएनएम पाठ्यक्रम का उद्देश्य ज्यादातर उम्मीदवारों को रोगी की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करना और बीमार व्यक्तियों के साथ व्यवहार करते समय एक नैदानिक पद्धति रखना है।

विद्यार्थियों हेतु अनुशासनात्मक गतिविधियां :

शिक्षण एवं परीक्षा पद्धति (Education and Exam System) :

महाविद्यालय में संचालित समस्त विषयों के अध्ययन अध्यापन में हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही माध्यमों की प्राथमिकता है विद्यार्थी जिस भी माध्यम में चाहे शिक्षा ग्रहण कर सकता है और परीक्षा दे सकता है उसे भाषा चयन करने की कोई बाध्यता नहीं है चाहे वह उच्च शिक्षा के द्वारा संचालित पाठ्यक्रम कर रहा हो या चिकित्सा शिक्षा से जुड़ा हुआ पाठ्यक्रम ।

उपस्थित (Presence): प्रत्येक विद्यार्थी को महाविद्यालय में अनिवार्यता 80% की उपस्थिति देनी है तभी वह शासन द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ भी ले पाएगा साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं में शामिल हो पाएगा । 80% से कम उपस्थित होने पर विद्यार्थी महाविद्यालय और शासन द्वारा दी जाने वाली समस्त योजनाओं से वंचित हो जाएगा।

ड्रेस कोड (Dress Code) :

उच्च शिक्षा	:	व्हाइट शर्ट ब्लैक पेंट ब्लेजर (For Boys)
		वाइट कुर्ता,ब्लैक पायजामा, ब्लैक चुन्नी (For Girls)
चिकित्सा शिक्षा	:	व्हाइट शर्ट वाइट पेंट व्हाइट ब्लेजर (For boys)
		व्हाइट सूट व्हाइट चुन्नी व्हाइट अप्रैन (For Girls)

अनुशासन (Discipline) -

किसी भी विद्यार्थी के साथ आने वाला कोई भी आगंतुक बिना अनुमति के प्रयोगशाला कक्ष ,कक्षाओं या कहीं अन्यत्र नहीं जा सकेगा। किसी भी तरह की बात या जानकारी हेतु स्वागत कक्ष में बात करने के उपरांत ही, उन्हें कहीं जाने की अनुमति प्राप्त होगी। पान, गुटखा, तंबाकू या अन्य कोई भी नशीली वस्तु का सेवन महाविद्यालय परिसर में पूर्णतया प्रतिबंधित है । इसके अलावा कक्षाओं एवं प्रयोगशाला में मोबाइल, पेन ड्राइव, मेमोरी चिप, लैपटॉप या कोई इलेक्ट्रानिक इत्यादि का उपयोग पूर्णता प्रतिबंधित है यदि कोई विद्यार्थी ऐसा करते पाया जाता है तो उसे रू. 5000 का आर्थिक दंड का प्रावधान है । इसकी सतत निगरानी महाविद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे से होती है।

मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 973 के अधीन बनाए गए अध्यादेश क्रमांक 7 की धारा 13 के अनुसार महाविद्यालय परिसर या बाहर अनुशासन भंग किए जाने पर दोषी पाए गए विद्यार्थियों के विरुद्ध निम्नानुसार दंड का प्रावधान है–

1. कक्षा से निलंबन।
2. महाविद्यालय से निष्कासन।
3. विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने से रोकना।

एंटी रैगिंग (Anti Raging) -

1. महाविद्यालय में रैगिंग पूर्णतः पुत्र प्रतिबंधित है अतः इस हेतु विद्यार्थी को स्वयं एवं विद्यार्थी के अभिभावक को अपने पाल्य के लिए रैगिंग गतिविधियों में शामिल नहीं होने का वचन पत्र देना अनिवार्य होगा।
2. रैगिंग में लिप्त विद्यार्थी के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही महाविद्यालय और छात्रावास से निष्कासन छात्रवृत्ति तथा अन्य प्रकार के लाभ वापस लेने की कार्यवाही के अलावा अर्थदंड और सार्वजनिक क्षमा याचना का भी प्रावधान है।

विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास में सहायक महाविद्यालयीन गतिविधियां

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ (Co-Curriculam Activities) :

विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ–साथ उनमें नैतिक मूल्यों का भी विकास हो वह अपने आप को समाज के साथ जोड़कर रख सकें और समाज के प्रति अपने दायित्व को समझ सके । भविष्य में देश के प्रति अपने जिम्मेदारी को समझें इसलिए महाविद्यालय विद्यार्थियों के मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए वर्ष भर कई तरह की पाठ्येत्तर गतिविधियां संचालित करता है जैसे– यूथ पार्लियामेंट,छ्डड , जागरूकता रैली इत्यादी ।

फील्ड वर्क/प्रोजेक्ट (Field Work /Project) :

छात्रों को शिक्षण दौरान , व्याख्यान / गतिविधि / असाइनमेंट की तुलना मे फील्ड में जाकर अलग व्यावहारिक ज्ञान सीखने का अवसर प्रदान करता है । यह साक्षरता और रचनात्मकता को सीखने और मूल्यांकन में एकीकृत करने का एक आसान तरीका है। परियोजनाएँ स्वाभाविक रूप से लचीली होती हैं, जो व्यक्तिगत या टीम में अपनी प्रतिभा में नवाचार को उजागर करती हैं। यह छात्रों को स्वतंत्र रूप से काम करते हुए अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है। यह छात्रों को शोध करने की क्षमता एवं दक्षता प्रदान करता है। यह छात्रों की अपने साथियों के साथ काम करने, टीम वर्क और समूह में कार्य करने की कौशल एवं क्षमता विकसित करता है । परियोजना कार्य कार्य से सीखने वाली बात यह है कि यह ज्ञान छात्रों के साथ जीवन भर रहेगा। यह छात्रों के लिए संगठनात्मक विकास और स्वतंत्र सीखने के लिए एक पुल प्रदान करता है।

मूट कोर्ट (Moot Court) :

मूट कोर्ट एक शैक्षिक गतिविधि है जो कानून के छात्रों को वास्तविक अदालती कार्यवाही का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है। मूट कोर्ट की गतिविधि छात्रों के कानूनी शोध, विश्लेषण, तर्क और मौखिक बहस की क्षमताओं को विकसित करने के लिए आयोजित किया जाता है। इसमें छात्र एक काल्पनिक मामले पर बहस करते हैं, जिसमें वे वकील की भूमिका निभाते हैं और अपने तर्क और कानूनी ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। मूट कोर्ट का उद्देश्य छात्रों को कानूनी अनुसंधान, लेखन, और मौखिक वकालत कौशल को विकसित करने में मदद करना है। मूट कोर्ट (Moot Court) एक प्रकार का शैक्षणिक सिमुलेशन है जिसमें विधि के छात्रों को एक काल्पनिक मुकदमे की परिस्थिति पर बहस करने का मौका मिलता है। मूट कोर्ट से छात्रों को वास्तविक अदालत में काम करने का अनुभव प्राप्त होता है और उनकी कानूनी क्षमता में सुधार होता है।

विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास में सहायक महाविद्यालय गतिविधियाँ

क्लीनिकल प्रशिक्षण (Clinical Training) -

महाविद्यालय में अध्ययनरत चिकित्सा शिक्षा के विद्यार्थियों का क्लीनिकल प्रशिक्षण शासकीय जिला चिकित्सालय अनूपपुर एवं अनूपपुर के आसपास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में होता है जिसमें विद्यार्थी को 90 दिन तक प्रतिवर्ष अस्पताल जाकर के प्रतिदिन 6 घंटे का प्रशिक्षण लेना होता है जिसमें विद्यार्थी, रोगियों के बीच जाकर के चिकित्सा से जुड़े विविध आयामों का अध्ययन करते हैं

प्रायोगिक प्रशिक्षण (Practical) -

महाविद्यालय में संचालित कक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं जिसमें विद्यार्थियों को महाविद्यालय में स्थापित निम्न प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण दिया जाता है–

1. फंडामेंटल ऑफ नर्सिंग लैब।
2. कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग लैब।
3. न्यूट्रिशन लैब।
4. गायनीकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स लैब।
5. एनाटॉमी एंड फिजियोलॉजी लैब।
6. माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और पैथोलॉजी लैब।
7. कंप्यूटर एंड एवी कम प्रोजेक्टर लैब।

छात्रावास सुविधा (Hostel Facility) -

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के रहने हेतु बहुत ही कम लागत में छात्रावास की सुविधा का प्रावधान है जहाँ विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं ।

बस सुविधा (Bus Service) -

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को आवागमन हेतु महाविद्यालय से बस सुविधा प्रदान की गई है जिसमें विद्यार्थियों के आवागमन की सुविधा प्राप्त होती है।

मीडिया कवरेज

पीआरटी कॉलेज अनूपपुर के एनएसएस के विद्यार्थियों का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

पीआरटी कॉलेज अनूपपुर के एनएसएस के विद्यार्थियों का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

पीआरटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग अनूपपुर में जिला स्वास्थ्य समिति के द्वारा जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर हुई गोष्ठी

पीआरटी महाविद्यालय अनूपपुर के एलएलबी प्रथम सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

पीआरटी महाविद्यालय में दिवाली के शुभ अवसर पर किया गया रंगोली का कार्यक्रम

पीआरटी महाविद्यालय रंगोली के माध्यम से मतदान के प्रति किया जागरूक

पीआरटी कॉलेज अनूपपुर के एनएसएस के विद्यार्थियों का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

पीआर टी पैरामेडिकल कालेज के विद्यार्थीओं ने मारी बाजी बीएमएलटी पाठ्यक्रम का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा -बेहतर शिक्षा का बेहतर परिणाम

राष्ट्रीय सेवा योजना
"विशेष शिविर"

TAKING CEREMONY

युवा संसद प्रतियोगिता/मंचन

भव्य शुभारंभ